SPECIAL MENTIONS

MR. CHAIRMAN: Special Mentions. Dr. Laxmikant Bajpayee. Demand to Develop Hastinapur (District Meerut), Garhmukteshwar (District Hapur) and Bohla Jhal (Jani Block District Meerut) in Western Uttar Pradesh as National-Level Tourist Destinations.

Demand for developing Hastinapur (District Meerut), Garhmukteshwar (District Hapur) and Bohla Jhal (Jani Block District Meerut) in Western Uttar Pradesh as national level tourist destinations

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, भागवत पुराण व महाभारत में कौरवों की राजधानी हस्तिनापुर, इसकी ऐतिहासिकता और आध्यात्मिकता के साथ-साथ वन की सुंदरता भी लुभाती है। अब यह प्रसिद्ध जैन तीर्थ और जम्बूद्वीप के नाम से भी जाना जाता है।

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*)

हस्तिनापुर तीर्थ नगरी को सीधे ब्रजघाट से जोड़ने हेतु हस्तिनापुर से निकली मध्य गंगा नहर की दायीं पटरी को फोर लेन बनाया जा सकता है। इस मार्ग के निकट माँ भद्रकाली का मंदिर और झारखंडी के प्राचीन मंदिर होने के कारण भविष्य में इसमें और भी विस्तार किया जा सकता है।

शिव पुराण के अनुसार गढ़मुक्तेश्वर का प्राचीन नाम 'शिव वल्लभ' (शिव का प्रिय) है। प्रशासनिक दृष्टि से गढ़मुक्तेश्वर एक पिछड़ी तहसील है, लेकिन सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों लोगों का मेला गंगा के किनारे 'टेंट सिटी' के रूप में लगता है। पर्यटन स्थल विकसित करने की एक कार्य-योजना तो बनी, लेकिन गति नहीं मिली है। दिल्ली से सड़क एवं रेल मार्ग से जुड़े होने के कारण इसे हरिद्वार की भांति घाटों का सौंदर्यीकरण करने की आवश्यकता है।

दिल्ली के नज़दीक गंगनहर के किनारे भोला झाल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना आवश्यक है। यहाँ प्राचीनकाल का जल विद्युत परियोजना बिजली घर है, जो देश एवं दिल्ली के पर्यटकों को दिखाने में उपयोग हो सकेगा।

उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से इस संबंध में सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि उक्त तीनों स्थानों को राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार किया जाए, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following Members associated themselves with the Special Mention made by hon. Member, Dr. Laxmikant Bajpayee: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh) and Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh). Shri Ramji Lal Suman. Demand to Provide Seeds to Farmers at rates of Minimum Support Price.

Demand to provide seeds to farmers at rates of minimum support price

श्री रामजी लाल सुमन (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, सर्वविदित है कि किसान महंगी दरों पर बीज खरीदकर फसल पैदा करता है। सहकारी समितियां देश में सभी किसानों तक अपनी पहुंच बनाने में नाकाम रही हैं, जिसके कारण किसान बाजार से अत्यधिक महंगी दरों पर बीज खरीदने के लिए मजबूर हैं।

खरीफ का बीज हो या रबी का, हर फसल के विभिन्न बीज देशी एवं विदेशी कंपनियों बाजार में बेच रही हैं। बीजों की दरों पर किसी तरह का कोई नियंत्रण नहीं है। कंपनियों से बिचौलिए बीज खरीद कर मनमर्जी दामों पर बाजार में किसानों को बेचते हैं, जिसे न चाहते हुए किसान खरीद कर अपने खेतों में लगाते हैं। वहीं दूसरी ओर किसान अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी नीचे की दरों पर बेचने के लिए बाध्य होता है।

सदन के माध्यम से मेरी मांग है कि सरकार सभी बीजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर - जो सरकार प्रति वर्ष स्वयं तय करती है, उसी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों को बीज उपलब्ध कराए, जिससे कृषि कार्यो पर महंगाई की मार किसानों को न झेलनी पड़े, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following Members associated themselves with the Special Mention made by hon. Member, Shri Ramji Lal Suman: Shri Haris Beeran (Kerala), Shri A.A. Rahim (Kerala), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Dr. John Brittas (Kerala). Shri Mahendra Bhatt. Demand to include Yoga Education in Central Government Education Curriculum.

Demand for inclusion of Yoga Education in Central Government Education curriculum

श्री महेंद्र भट्ट (उत्तराखंड) : महोदय, 21 जून योग दिवस के बाद योग शिक्षा के महत्व को पूरे विश्व ने जाना है। अपने जीवन को स्वस्थ एवं दीर्घायु बनाए रखने के लिए प्रत्येक दिन योग का महत्व जीवन के लिए अनिवार्य महसूस हो रहा है। महोदय, आज के व्यस्ततम जीवन में अपने शरीर के लिए समय निकालना जटिल एवं कठिन प्रतीत होता जा रहा है। आदत में योग को लाना केवल विद्यार्थी जीवन की शिक्षा से ही सम्भव है। महोदय, उत्तराखंड सरकार ने इस दिशा में प्रयास किया है, वहां माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में योग शिक्षा के लिए शिक्षित योग शिक्षकों को नियुक्ति देना शुरू किया है।